AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

KVS | NVS | DSSSB

(केंद्रीय विद्यालय संगठन) (नवोदय विद्यालय समिति) (दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड)

द्वारा आयोजित

PRT, TGT & PGT परीक्षाओं के लिए

सामान्य ज्ञान

(यह विषय निम्न परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित है)

- **KVS** : PRT, TGT & PGT (Part 2)
- **NVS** : TGT & PGT (Part 2)
- **DSSSB** : PRT, TGT & PGT (Tier 1: Section A)

KVS, NVS एवं DSSSB के विगत वर्षों के पेपर्स के विश्लेषण चार्ट का समावेश

100% पाठ्यक्रमानुसार

स्टडी गाइड

Best Guidebook!
एक मात्र सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित गाइड बुक जिसका गहन अध्ययन करके आप परीक्षा में बहुत अच्छे अंक ला सकते हैं।

NEW 2in1 Series की मुख्य विशेषताएं

- सम्पूर्ण थ्योरी एवं महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न
- KVS | NVS | DSSSB के विगत वर्षों के व्याख्यात्मक हल सहित प्रश्नों का अध्यायवार समावेश

3 Free Online Mock Tests ANDROID APP ON Google Play
(अंदर दिए गए निर्देशानुसार हमारी Android App पर try करें)

– Examcart Experts

Code	Price	Pages
CB692	₹ 349	440

KVS | NVS | DSSSB

(केंद्रीय विद्यालय संगठन) (नवोदय विद्यालय समिति) (दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड)

द्वारा आयोजित

PRT, TGT & PGT परीक्षाओं के लिए

सामान्य ज्ञान

(यह विषय निम्न परीक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित है)

- **KVS** : PRT, TGT & PGT (Part 2)
- **NVS** : TGT & PGT (Part 1)
- **DSSSB** : PRT, TGT & PGT (Tier 1: Section A)

Prepared by:

Examcart Experts

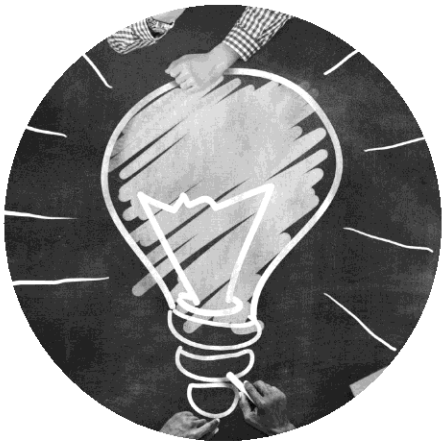

AGRAWAL GROUP OF PUBLICATIONS

EduCart | Agrawal Publications | AGRAWAL EXAMCART

Book Name	KVS (Part II)/ NVS & DSSSB (Section A) सामान्य ज्ञान
Editor Name	Rahul Agarwal
Edition	Latest
Published by	Agrawal Group Of Publications (AGP)
© All Rights reserved.
ADDRESS (Head office)	28/115 Jyoti Block, Sanjay Place, Agra, U.P. 282002
CONTACT	quickreply@agpgroup.in We reply super fast
BUY BOOK	www.examcart.in Cash on delivery available
WHATSAPP (Head office)	8937099777
PRINTED BY	Schoolcart
DESKTOP PUBLISHING	R. S. Graphics
ISBN	978-93-90587-74-2
© COPYRIGHT	Agrawal Group Of Publications (AGP)

Disclaimer: This teaching material has been published pursuant to an undertaking given by the publisher that the content does not in any way whatsoever violate any existing copyright or intellectual property right. Extreme care is put into validating the veracity of the content in this book. However, if there is any error found, please do report to us on the below email and we will re-check; and if needed rectify the error immediately for the next print.

ATTENTION

No part of this publication may be re-produced, sold or distributed in any form or medium (electronic, printed, pdf, photocopying, web or otherwise) on Amazon, Flipkart, Snapdeal without the explicit contractual agreement with the publisher. Anyone caught doing so will be punishable by Indian law.

इस प्रकाशन का कोई भी हिस्सा प्रकाशक के साथ स्पष्ट संविदात्मक समझौते के बिना अमेज़न, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील पर किसी भी रूप या माध्यम (इलेक्ट्रॉनिक, मुद्रित, पीडीएफ, फोटोकॉपी, वेब या अन्यथा) में फिर से उत्पादित, बेचा या वितरित नहीं किया जा सकता है। जो कोई भी ऐसा करता हुआ पकड़ा जाएगा, वह भारतीय कानून द्वारा दंडनीय होगा।

AGP contributes Rupee One on every book purchased by you to the **Friends of Tribals Society** Organization for better education of tribal children.

यह पेज अवश्य पढ़ें।

(जानिए हम आपकी परीक्षा की तैयारी में कैसे मदद करते हैं)

कुछ ही वर्षों में Agrawal Examcart की पुस्तकें शिक्षकों और छात्रों के बीच काफी लोकप्रिय हो गयी हैं। हमारे Subject Experts पुस्तकों की विषय सामग्री पर विशेष ध्यान देते हैं। परीक्षा के पठ्यक्रमानुसार पाठ्यपुस्तकों और गाइडबुक्स के माध्यम से हम आपको syllabus-wise सटीक और सरल भाषा में पुस्तकें प्रदान करते रहे हैं जिससे आपको कम समय में परीक्षा की तैयारी में मदद मिले। किसी भी परीक्षा सम्बन्धी practice set को तैयार करते समय, हमारा उद्देश्य यही रहता है कि आप अपनी परीक्षा की तैयारी का स्वयं मूल्यांकन 90% से अधिक सटीकता से कर सकें। यही कारण है कि प्रत्येक Practice set पिछले परीक्षा पैटर्न के अनुसार तैयार किया जाता है और इसमें बहुत अच्छे प्रश्नों का संग्रह होता है।

"हमारा उद्देश्य सिर्फ आपको पुस्तक उपलब्ध करना ही नहीं बल्कि आपके पुस्तक खरीदने से लेकर पुस्तक पूरा पढ़ने तक के सफर में हम आपके सारथि होंगे। इसीलिए हमने कुछ ऐसी सेवाएँ (नीचे दी गई) शुरू की हैं जिनकी मदद से हम आपकी सहायता कर पाएंगे।"

अपने Phone पर इस पुस्तक के संशोधित Updates प्राप्त करें!

हर बार जब हम इस पुस्तक में संशोधन या कोई भी नया update करेंगे तो उसकी जानकारी हम आपके Whatsapp Number पर भेजेंगे जिससे आपको इस बुक का नया संस्करण न लेना पड़े और आपको free में Updated Content मिल जाये। इसके लिए आपको नीचे दिए हुए फॉर्म को भरना होगा जिससे हम आपको Updated content भेज पाएं। ध्यान दें कि फॉर्म भरते समय Book Code सही डालें नहीं तो आपको किसी और बुक के Updates मिलेंगे। बुक का कोड पुस्तक के पीछे कवर पर नीचे से बायीं तरफ दिया है जो 'CB' से शुरू होता है|

Form link ☛ http://bit.ly/exmcrtrev or Scan Code ☛

Whatsapp Helpline No. (पुस्तक में गलती या परीक्षा सम्बंधित जानकारी)

परीक्षाओं से समबन्धित किसी भी तरह की जानकारी जैसे-पाठ्यक्रम, पेपर पैटर्न, सबसे अच्छी पुस्तकें, परीक्षा सम्बंधित महत्वपूर्ण Dates, किसी प्रश्न का हल एवं **हमारी पुस्तकों में किसी भी तरह की गलती पाए जाने पर हमारे whatsapp Helpline नंबर पर संपर्क करें**| हमारी Experts की Team आपको उससे सम्बंधित सही जानकारी उपलब्ध कराएगी|

Whatsapp number ☛ 8937099777 or Scan Code ☛

Join Telegram Group

Agrawal Examcart ने **Examcart Live** के नाम से एक नया **Telegram Group** शुरू किया है जिससे आपको कई तरह से परीक्षा की तैयारी में मदद मिलेगी

- नवीनतम परीक्षा का पूर्ण **Notification** और पाठ्यक्रम के **Updates** प्राप्त करें।
- नई परीक्षाओं से सम्बंधित best नवीनतम पुस्तकों के **Updates** प्राप्त करें।
- नई परीक्षाओं से सम्बंधित **Free Study material** प्राप्त करें।
- अपनी परीक्षा की तैयारी का परीक्षण करने के लिए **weekly practice problem sheet** प्राप्त करें।

Join us on Telegram: ☛ **t.me/Examcartlive or Scan Code ☛**

Read & Practice Online

हमारी Android App और Website पर पढ़ने की जानकारी अगले पृष्ठ पर दी गयी है|

ANDROID APP ON
Google Play

App की विशेषताएं!!!

- एकमात्र app जिसमें आपको परीक्षाओं से सम्बंधित सभी contents नए पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न अनुसार up-to-date मिलेंगे।
- App पर Course को खरीदने से पहले उसकी गुणवत्ता जानने के लिए Free content दिया है |
- हमारे App पर 100 से अधिक परीक्षाओं पर courses आकर्षक मूल्य पर उपलब्ध हैं |
- App पर Online Quiz देते समय आपको वास्तविक online परीक्षा जैसा अनुभव प्राप्त होगा।

Examcart Android App को चलाने की जानकारी

Step 1: **Google playstore** से **Examcart** की **App** को **Download** करें। **Examcart App** को **Playstore** पर देखने का link **http://bit.ly/examcartapp2021**

Step 2: **Examcart App** में **login** करें और Category Section में जाके अपने **Exam** से सम्बन्धित **Course** को देखें |

हमारे **app** के **features** एवं उसकी कार्य प्रणाली को समझने के लिए **15 seconds का Tutorial** देखें।
http://bit.ly/exmcrtdemo

Laptop, Desktop या iphone Users के लिए

Step 1: Mobile या Laptop Browser पर www.examcart.sikhaoo.com टाइप करें।

Step 2: हमारे Course को use करने के लिए **Sign in** करें।

सबसे बड़ी समस्या

हर परीक्षा में 15% तक सामान्य ज्ञान के प्रश्न करंट अफेयर्स से सम्बंधित होते हैं। इनकी तैयारी के लिए महत्वपूर्ण करंट अफेयर्स का चयन करना और उनसे सम्बंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं को लम्बे समय तक याद रखना सबसे बड़ी समस्या है।

आइये देखें TOPPERS कैसे इस समस्या को हल करते हैं।

3 SECRETS जिससे Toppers करंट अफेयर्स में अच्छे marks लाते हैं —

समाचारों को प्रश्नोत्तर प्रारूप (MCQ) में लम्बे समय तक याद रखना बहुत आसान होता है।

प्रश्नों को उनके विषय और घटनाक्रम के अनुसार विभाजित करने से जल्दी revision में बहुत आसानी होती है।

समाचार के सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं को प्रश्न के उत्तर में शामिल करने से उस समाचार सम्बंधित प्रश्नों को आसानी से हल कर सकते है।

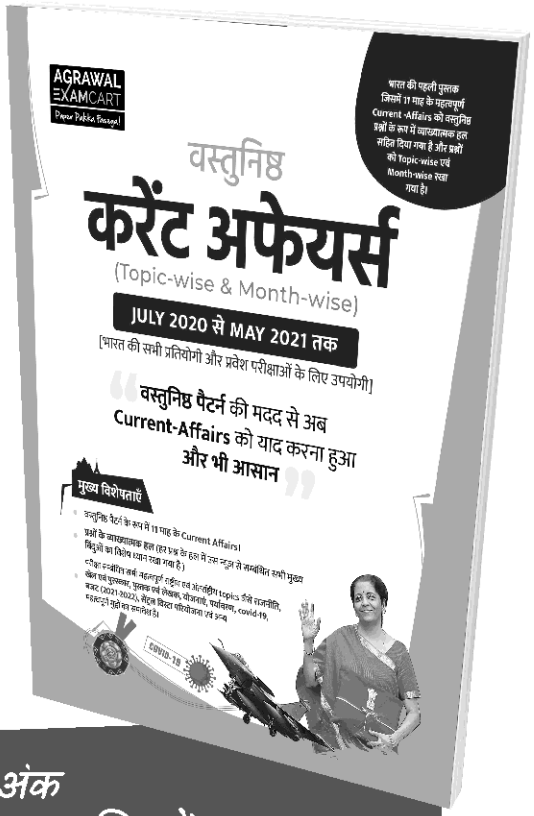

करंट अफेयर्स में अच्छे अंक लाने के लिए भारत की पहली पुस्तक जिसमें वार्षिक महत्वपूर्ण करंट अफेयर्स (जुलाई 2020 से मई 2021) को वस्तुनिष्ठ प्रश्नों एवं उनके व्याख्यात्मक हल के साथ topic-wise एवं month-wise प्रस्तुत किया गया है।

Free sample इस link पर पढ़ें

http://bit.ly/exmcrtcafa

Amazon से खरीदने का link

https://amzn.to/3gssO1s

Exam Paper Pattern Chart

यह Book आपको किस-किस परीक्षा की तैयारी में मदद करेगी वह नीचे दिये गये चार्ट के माध्यम से समझाया है, जो विषय Highlighted हैं, उसका पाठ्यक्रम और विगत वर्षों के पेपर को हमने इस Book में Cover किया है।

DSSSB (Tier-1) PRT, TGT, PGT Exams Pattern

Paper	Subjects	Questions	Total marks	Total Duration
Section A	General Awareness	20	20	3 Hours
	Mental ability and reasoning ability	20	20	
	Numerical Aptitude & Data Interpretation	20	20	
	Hindi Language & Comprehension	20	20	
	English Language & Comprehension	20	20	
Section B	Subject Concerned (teaching methodology/ postgraduation)	100	100	
Total		200 Questions	200 Marks	

KVS-PRT, TGT, PGT Exams Pattern

KVS PRT				
Paper	Subjects	Questions	Total marks	Total Duration
Part 1	General English	10	10	2 Hours 30 minutes
	General Hindi	10	10	
Part 2	General knowledge & Current Affairs	10	10	
	Reasoning Ability	10	10	
	Computer Literacy	10	10	
	Pedagogy	20	20	
	Subject concerned (Hindi- 10 questions, English 10 questions, Math 20 questions, EVS 20 questions, Science 20 questions)	80	80	
Total		150 Questions	150 Marks	

KVS TGT				
Paper	Subjects	Questions	Total marks	Total Duration
Part 1	General English	10	10	2 Hours 30 minutes
	General Hindi	10	10	
Part 2	General knowledge & Current Affairs	40	40	
	Reasoning Ability	40	40	
	Computer Literacy	10	10	
	Pedagogy	40	40	
Total		150 Questions	150 Marks	

KVS PGT				
Paper	**Subjects**	**Questions**	**Total marks**	**Total Duration**
Part 1	**General English**	**10**	**10**	**3 Hours**
	General Hindi	**10**	**10**	
Part 2	**General knowledge & Current Affairs**	**10**	**40**	
	Reasoning Ability	**10**	**40**	
	Computer Literacy	**10**	**10**	
	Pedagogy	**20**	**40**	
	Subject concerned	**80**		
Total		**150 Questions**	**150 Marks**	

NVS-TGT, PGT Exams Pattern

NVS TGT				
Paper	**Subjects**	**Questions**	**Total marks**	**Total Duration**
Part 1	**Reasoning Ability**	**10**	**10**	**3 Hours**
Part 2	**General Awareness**	**10**	**10**	
Part 3	**Teaching Aptitude**	**15**	**15**	
Part 4	**Subject Knowledge (difficulty level Graduation)"**	**100**	**100**	
Total		**135 Questions**	**135 Marks**	
Part 5	**Language Competency (General Hindi, General English and Regional Language*-15 marks each subject). This part is qualifying in nature only with minimum 33 1/3rd marks in each language. Part-1 to 4 of the candidate will not be evaluated, if he/she fails to attain qualifying marks in Part-5**	**45**	**45**	

NVS PGT				
Paper	**Subjects**	**Questions**	**Total marks**	**Total Duration**
Part 1	**Reasoning**	**15**	**15**	**3 Hours**
Part 2	**General Awareness**	**15**	**15**	
Part 3	**Teaching Aptitude**	**20**	**20**	
Part 4	**Subject knowledge**	**100**	**100**	
Total		**150 Questions**	**150 Marks**	
Part 5	**Language Competency Test (General English and General Hindi-15 marks each subject). This part is qualifying in nature only with minimum 33 1/3rd marks in each language. Part-1 to 4 of the candidate will not be evaluated, if he/she fails to attain qualifying marks in Part-5.**	**30**	**30**	

DSSSB के पिछले वर्षों के हल प्रश्न-पत्र का विश्लेषण चार्ट

सामान्य ज्ञान

क्र. सं.	अध्याय का नाम	अध्याय का नाम	15 Nov. 2019 Shift-I	15 Nov. 2019 Shift-II	14 Nov. 2019 Shift-I	14 Nov. 2019 Shift-II	13 Nov. 2019 Shift-I	13 Nov. 2019 Shift-II	13 Nov. 2019 Shift-III	11 Nov. 2019 Shift-I	11 Nov. 2019 Shift-II	11 Nov. 2019 Shift-III
1	प्राचीन इतिहास	राजपूत काल	1	--	--	--	--	--	--	--	--	--
		दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश (पल्लव राजवंश)	--	1	1	1	1	1	--	--	--	1
		गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल	--	--	1	--	1	--	1	1	1	1
		मौर्य साम्राज्य	--	--	--	--	--	--	1	--	1	--
2	मध्यकालीन भारत का इतिहास	दिल्ली सल्तनत	1	--	--	--	--	--	--	1	--	--
3	आधुनिक भारत का इतिहास	रोलेट एक्ट	1	--	--	1	--	--	--	--	--	--
		बंगाल विभाजन एवं स्वदेशी आन्दोलन	--	1	--	--	--	--	--	1	--	--
		गवर्नर/वायसराय/ गवर्नर जनरल	1	--	--	--	--	--	--	--	--	--
		सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आन्दोलन	--	1	1	1	1	1	1	--	1	--
		आधुनिक भारत में शिक्षा का विकास	--	--	--	--	--	--	--	--	--	1
4	भारत का भूगोल	भारत एक सामान्य परिचय	1	1	--	--	--	--	--	--	--	--
		मृदा	1	1	1	1	1	1	1	--	--	--
		भोगोलिक स्थिति	--	--	--	--	--	--	--	2	2	--
		कृषि	1	--	--	--	--	--	--	--	--	--
		नदियाँ एवं पहाड़	--	--	1	--	1	1	1	1	1	2
		बाँध	--	--	--	1	1	--	--	--	--	1
		खनिज संसाधन	--	--	1	1	--	--	--	--	--	--
		परिवहन	--	--	--	--	--	--	1	--	--	--
5	विश्व का भूगोल		--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
6	भारतीय संविधान एवं राजनीतिक व्यवस्था	भारतीय संविधान के स्त्रोत	1	1	--	1	1	--	--	--	--	--
		संघीय कार्यपालिका	1	1	--	2	--	--	--	--	--	1
		निबंधक तथा महालेखा परीक्षक	1	--	--	--	--	--	--	--	--	--
		मौलिक अधिकार	--	1	1	--	--	--	--	--	--	--
		भारतीय संसद	--	--	--	--	1	--	--	1	--	1
		न्यायिक ढांचा	--	--	--	--	--	1	--	--	--	--
		भारतीय संविधान	--	--	--	--	--	2	2	--	2	--
		राज्यपाल	--	--	--	--	--	--	--	1	--	--

क्र. सं.	अध्याय का नाम	अध्याय का नाम	15 Nov. 2019 Shift-I	15 Nov. 2019 Shift-II	14 Nov. 2019 Shift-I	14 Nov. 2019 Shift-II	13 Nov. 2019 Shift-I	13 Nov. 2019 Shift-II	13 Nov. 2019 Shift-III	11 Nov. 2019 Shift-I	11 Nov. 2019 Shift-II	11 Nov. 2019 Shift-III
7	भौतिक विज्ञान	यांत्रिकी	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
		ताप तथा ऊष्मा	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
		प्रकाश	--	--	--	1	--	--	--	--	--	1
		ध्वनि तथा तरंगें	--	--	1	--	--	--	--	--	--	--
		परमाणु भौतिकी	--	--	--	--	1	--	--	1	--	1
		पदार्थ तथा उसकी प्रकृति	--	--	--	--	--	--	1	1	--	--
		दाब	--	--	--	--	--	--	--	--	1	--
8	रसायन विज्ञान	अम्ल क्षार तथा लवण	1	1	--	1	1	1	--	--	--	--
		कार्बनिक रसायन	--	--	1	--	--	--	--	--	--	--
9	जीव विज्ञान	कोशिका एवं ऊतक	1	--	--	--	--	1	--	--	1	1
		पादप तथा जंतु	1	--	--	--	1	--	--	--	--	--
		जंतु जगत का आधुनिक वर्गीकरण	--	1	1	1	--	--	--	1	--	--
		मानव शरीर	--	--	--	--	--	--	2	--	--	--
10	भारतीय अर्थव्यवस्था	राजस्व	--	1	--	--	--	--	--	--	--	--
		बजट	1	--	--	--	--	--	--	--	--	--
		कृषि सुधार	--	1	1	1	--	1	1	--	--	1
		ढांचागत सुधार	--	--	1	--	--	--	--	--	--	--
		आर्थिक सुधार	--	--	--	--	2	--	1	2	2	--
	कला एवं संस्कृति		1	2	2	2	2	2	2	2	2	1
15	विविध		2	--	2	1	--	1	--	1	--	--
16	राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय समसामयिकी		3	6	3	4	4	4	4	4	2	2

KVS PRT के पिछले वर्षों के हल प्रश्न-पत्र का विश्लेषण चार्ट

सामान्य ज्ञान

क्र. सं.	अध्याय का नाम	अध्याय का नाम	PRT 2010	PRT 2013	PRT 2015	PRT 2017	PRT 2018
1	प्राचीन भारत का इतिहास	गुप्तकाल तथा गुप्तोत्तर काल	1	--	--	--	--
2	मध्यकालीन भारत का इतिहास	सूफी तथा भक्ति आन्दोलन	1	--	--	--	--
		दिल्ली सल्तनत	--	--	--	--	1
3	आधुनिक भारत का इतिहास		--	--	--	--	--
4	कला एवं संस्कृति	लेखक एवं पुस्तकें	1	--	--	--	--
		संगीत तथा नृत्य	2	--	--	--	--
5	भारत का भूगोल	परिवहन	1	--	1	--	--
		अपवाह तंत्र	--	--	--	--	1
		जनगणना	--	1	--	--	--

क्र. सं.	अध्याय का नाम	अध्याय का नाम	PRT 2010	PRT 2013	PRT 2015	PRT 2017	PRT 2018
6	विश्व का भूगोल	भौगोलिक रेखाएँ	1	--	--	--	--
		महाद्वीप	2	--	1	--	--
		चट्टानें	1	--	--	--	--
		मेघ तथा वर्षण	--	--	--	--	1
7	पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी		--	--	--	--	1
8	भारतीय संविधान एवं राजनीतिक व्यवस्था	राष्ट्रीय प्रतीक	2	--	--	--	--
		संघ तथा उसका राज्य क्षेत्र	1	--	1	--	--
		मौलिक अधिकार	1	--	--	--	--
		संघीय कार्यपालिका	5	2	--	--	--
		संघीय न्यायपालिका	--	1	--	--	--
		राजभाषा	1	--	--	--	--
		विभिन्न आयोग एवं अधिकरण	--	1	--	--	--
9	भौतिक विज्ञान	ध्वनि तथा प्रकाश	1	--	--	--	--
		ऊष्मा तथा ताप	1	--	--	--	--
10	रसायन विज्ञान	पदार्थ	1	--	--	--	--
11	जीव विज्ञान	मानव शरीर, भोजन तथा रोग	5	--	--	--	--
13	कम्प्यूटर	एम. एस. ऑफिस	--	--	--	--	5
		इनपुट तथा आउटपुट डिवाइस	--	--	--	--	1
		सोशल नेटवर्क	--	--	--	--	1
		आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस	--	--	--	--	1
		इंटरनेट तथा ई–मेल	--	--	--	--	1
		कम्प्यूटर विविध	--	--	--	--	1
14	भारतीय अर्थव्यवस्था	मुद्रा तथा बैंकिंग	1	--	1	--	1
		सरकारी उपक्रम	--	--	1	--	--
		सरकारी योजनाएँ	--	1	--	2	--
		प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष कर	--	--	--	--	1
15	विविध	राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ	2	1	2	--	--
		खेलकूद	2	1	2	2	--
		शब्द संक्षेप	--	--	1	--	--
		राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान	--	1	--	--	--
		विभिन्न कम्पनियाँ और उनके मुख्यालय	--	2	1	--	--
		विश्व की इमारतें तथा भवन	--	1	--	--	--
		रक्षा प्रौद्योगिकी	--	1	--	--	--
		राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार	1	--	1	--	--
		राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय दिवस एवं वर्ष	1	1	--	3	--
16	राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय समसामयिकी		--	26	28	33	4

KVS TGT/PGT के पिछले वर्षों के हल प्रश्न-पत्र का विश्लेषण चार्ट

सामान्य ज्ञान

क्र. सं.	अध्याय का नाम	अध्याय का नाम	TGT 2016	TGT 2017	TGT 2018	PGT 2018
1	प्राचीन इतिहास	हड़प्पा सभ्यता	--	--	1	1
		बौद्ध धर्म तथा जैन धर्म	--	--	1	--
		चोल साम्राज्य	--	--	1	--
2	मध्यकालीन भारत का इतिहास	भारत में अरबों का आक्रमण	--	--	1	--
		मुगल वंश	--	--	1	--
		मध्यकालीन स्थापत्य तथा साहित्य	--	--	1	--
3	आधुनिक भारत का इतिहास	भारत का स्वतन्त्रता संग्राम	--	--	1	--
4	कला एवं संस्कृति		--	--	--	--
5	भारत का भूगोल	अपवाह तंत्र	--	--	2	--
		प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य जीव	--	--	1	--
		कृषि एवंपशुपालन	--	--	1	--
6	विश्व का भूगोल	अपरदनात्मक एवं निक्षेपणात्मक स्थाकृतियाँ	--	--	1	--
		मेघ एवं वर्षण	--	--	1	--
		मानव बस्तियाँ	--	--	--	1
		मानव प्रजातियाँ	--	--	1	1
		विश्व के जलवायु क्षेत्र	--	--	2	--
7	पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी		--	--	3	2
8	भारतीय संविधान एवं राजनीतिक व्यवस्था	भारतीय संविधान का निर्माण	--	--	--	1
		मौलिक अधिकार	--	--	1	--
		नीति निदेशक सिद्धान्त	--	--	1	--
		संघीय कार्यपालिका	--	--	1	--
		संघीय न्यायपालिका	1	--	--	--
		स्थानीय स्वशासन	--	--	1	--
		विभिन्न कानून	--	--	1	--
		विभिन्न आयोग एवं अधिकरण	--	--	1	--
9	भौतिक विज्ञान		--	--	--	--
10	रसायन विज्ञान		--	--	--	--
11	जीव विज्ञान		--	--	--	--
12	प्रौद्योगिकी		--	--	--	--
14	भारतीय अर्थव्यवस्था	आर्थिकी क्षेत्र	--	1	--	--
		मुद्रा तथा बैंकिंग	1	--	1	1
		सरकारी उपक्रम	--	1	--	--
		पंचवर्षीय योजनाएँ	--	1	--	1
		मानव विकास सूचकांक	--	1	1	--
		बजट एवं राजकोषीय नीति	1	--	--	--
		सरकारी योजनाएँ	1	--	--	--
		प्रत्यक्ष्ज्ञ तथा अप्रत्यक्ष कर	--	--	1	1
		अर्थव्यवस्था विविध	--	--	1	--

क्र. सं.	अध्याय का नाम	अध्याय का नाम	TGT 2016	TGT 2017	TGT 2018	PGT 2018
15	विविध	राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ	1	--	--	--
		खेलकूद	--	1	--	2
		पुस्तकें तथा लेखक	1	--	1	1
		विभिन्न देशों की संसद	--	--	1	--
		रक्षा प्रौद्योगिकी	--	1	--	--
		विभिन्न रिपोर्ट	1	--	--	--
		राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार	--	--	--	1
		राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दिवस एवं वर्ष	2	--	2	--
16	राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय समसामयिकी		7	5	12	3

NVS TGT/PGT के पिछले वर्षों के हल प्रश्न–पत्र का विश्लेषण चार्ट

सामान्य ज्ञान

क्र. सं.	अध्याय का नाम	अध्याय का नाम	TGT 2014	TGT 2016	PGT 2014	PGT 2016
1	प्राचीन इतिहास	हड़प्पा सभ्यता	--	--	1	1
		महाजनपद	--	--	--	1
		दक्षिण भारत के राजवंश	--	1	--	--
2	मध्यकालीन भारत का इतिहास	मुगलवंश	1	1	--	2
		दिल्ली सल्तनत	--	1	--	--
3	आधुनिक भारत का इतिहास	भारत का स्वतन्त्रता संग्राम	1	1	--	--
		सामाजिक पुनर्जागरण	--	1	--	1
4	कला एवं संस्कृति	चित्रकला	--	--	--	1
		संगीत तथा नृत्य	1	2	--	--
5	भारत का भूगोल	भारत का भौतिक विभाजन	--	1	--	--
		परिवहन	1	--	--	1
		कृषि एवंपशुपालन	--	--	--	2
		जनगणना	--	1	--	--
6	विश्व का भूगोल	वायुमंडल	--	--	1	--
		विश्व के महाद्वीप	1	--	1	--
		ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल	1	--	1	--
		मानचित्रण	--	1	--	--
7	पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी		1	--	--	1
8	भारतीय संविधान एवं राजनीतिक व्यवस्था	राष्ट्रीय प्रतीक	--	--	1	--
		भारतीय संविधान का निर्माण	2	2	1	1
		मौलिक अधिकार	--	1	--	--
		मौलिक कर्तव्य	--	--	--	1
		संघीय कार्यपालिका	--	--	--	3
		संघीय न्यायपालिका	1	--	--	--
		राजभाषा	1	--	1	--

क्र. सं.	अध्याय का नाम	अध्याय का नाम	TGT 2014	TGT 2016	PGT 2014	PGT 2016
		संविधान संशोधन	--	--	--	1
		भारत की विदेश नीति	--	1	--	--
		विभिन्न कानून	1	--	--	--
		उपभोक्ता संरक्षण	--	1	--	--
9	भौतिक विज्ञान	मापन	--	1	--	--
		विज्ञान की शाखाएँ	1	--	--	--
		तरंगें, ध्वन तथा प्रकाश	--	--	1	--
		ऊष्मा तथा ताप	--	--	--	1
		विद्युत एवं चुम्बकत्व	1	--	--	--
10	रसायन विज्ञान	पदार्थ, अणु तथा परमाणु	--	2	--	--
		आवर्त सारिणी	--	--	1	--
		अम्ल, क्षार तथा लवण	--	--	--	2
11	जीव विज्ञान	मानव शरीर, भोजन तथा रोग	--	1	1	1
12	प्रौद्योगिकी		--	--	--	--
13	कम्प्यूटर	कम्प्यूटर के प्रकार	--	--	1	--
		एम. एस. ऑफिस	--	--	4	2
		कम्प्यूटर के प्रकार	--	--	--	1
		इनपुट तथा आउटपुट डिवाइस	--	--	2	2
		ऑपरेटिंग सिस्टम्स तथा प्रोग्राम	--	--	1	1
		डाटा	--	--	2	--
		इंटरनेट तथा ई–मेल	--	--	--	2
		एंटीवायरस	--	--	--	1
		कम्प्यूटर विविध	--	--	1	1
14	भारतीय अर्थव्यवस्था	राष्ट्रीय आय	1	--	--	--
		पंचवर्षीय योजनाएँ	--	--	1	--
		बेरोजगारी	--	--	1	--
		धारणीय विकास	--	--	1	--
		सरकारी योजनाएँ	--	1	1	--
		अर्थव्यवस्था विविध	--	--	--	1
15	विविध	राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ	--	5	--	--
		खेलकूद	1	--	--	--
		भारत का रक्षा तंत्र	2	--	--	--
		राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दिवस एवं वर्ष	2	2	1	--
16	राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय समसामयिकी		27	32	10	3

विषय–सूची

अध्याय		पृष्ठ सं.
	खण्ड–I : भारतीय इतिहास	**1-140**
1.	**हड़प्पा एवं वैदिक सभ्यता**	**1-15**
2.	**छठी शताब्दी के धार्मिक आन्दोलन**	**16-21**
3.	**महाजनपद काल**	**22-23**
4.	**मौर्य व मौर्योत्तर काल**	**24-33**
5.	**गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल**	**34-42**
6.	**संगम काल तथा दक्षिण भारत के राजवंश**	**43-46**
7.	**भारत पर अरबों का आक्रमण**	**47-49**
8.	**दिल्ली सल्तनत, स्थापत्य तथा साहित्य**	**50-65**
9.	**भक्ति एवं सूफी आन्दोलन**	**66-70**
10.	**मुगल वंश, स्थापत्य तथा साहित्य**	**71-87**
11.	**भारत में कंपनी साम्राज्य तथा स्वाधीनता संग्राम**	**88-123**
12.	**भारतीय कला एवं संस्कृति**	**124-140**
	• चित्रकला • संगीत	
	• नृत्य तथा नाट्य • स्थापत्य कला,	
	• पर्व तथा त्योहार • दूरदर्शन तथा सिनेमा	
	खण्ड–II : भूगोल	**141-246**
13.	**ब्रह्माण्ड एवं सौरमण्डल**	**141-148**
	• ब्रह्माण्ड • सौरमण्डल	
	• अक्षांश एवं देशांतर • पृथ्वी की गतियाँ	
14.	**स्थलमण्डल**	**149-158**
	• पृथ्वी की आंतरिक संरचना • चट्टानें	
	• पर्वत • पत्थर	
	• मैदान • अपरदनात्मक तथा निक्षेपनात्मक स्थलाकृतियाँ	
15.	**जलमण्डल**	**159-165**
	• विश्व के महासागर	
16.	**वायुमण्डल**	**166-174**
	• वायुमंडल की संरचना एवं संघटन • वायु प्रदूषण	
	• अम्ल वर्षा	
17.	**जैवमंडल**	**175-182**
	• विश्व के जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र	

18. विश्व का भूगोल **183-200**

- विश्व के महाद्वीप
- पर्वत
- नदियाँ
- पठार
- आर्थिक भूगोल

19. भारत का भूगोल **201-223**

- भारत का सामान्य परिचय
- भारत का भौतिक विभाजन
- अपवाह–तन्त्र
- मृदा
- प्राकृतिक वनस्पति
- सिंचाई परियोजनाएँ
- वन्य जीव
- परिवहन
- उद्योग
- खनिज
- कृषि तथा पशुपालन
- जनगणना

20. पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी **224-246**

- पर्यावरण
- पारिस्थितिकी
- खाद्य जाल एवं खाद्य शृंखला
- पर्यावरण संरक्षण के उपाय तथा सम्मेलन
- वन्य जीव
- परिवहन
- उद्योग
- खनिज
- कृषि तथा पशुपालन
- जनगणना

खण्ड–III : संविधान एवं राजव्यवस्था **247-277**

21. संविधान एवं राजव्यवस्था **247-277**

- संविधान का विकास
- भारतीय संविधान का निर्माण और उसकी विशेषताएँ
- प्रस्तावना
- संघ और उसका राज्य क्षेत्र
- नागरिकता
- मौलिक अधिकार
- मौलिक कर्तव्य
- नीति निदेशक तत्व
- संघीय तथा राज्य की कार्यपालिका
- संघीय न्यायपालिका
- स्थानीय स्वशासन
- निर्वाचन आयोग
- राजभाषा
- संविधान संशोधन
- विभिन्न कानून
- विभिन्न आयोग एवं अधिकरण

खण्ड–IV : अर्थव्यवस्था **278-311**

22. अर्थव्यवस्था **278-311**

- अर्थव्यवस्था के क्षेत्र
- राष्ट्रीय आय
- पंचवर्षीय योजनाएँ
- मानव विकास सूचकांक
- राजस्व
- बजट एवं राजकोषीय नीति
- आर्थिक सुधार
- ढांचागत सुधार
- मुद्रा एवं बैंकिंग
- सरकारी उपक्रम
- सरकारी योजनाएँ
- बेरोजगारी
- प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष कर
- धारणीय विकास
- विभिन्न आयोग एवं उनके उद्देश्य

खण्ड–V : विज्ञान **312-370**

23. भौतिक विज्ञान **312-328**

- विज्ञान की शाखाएँ
- यांत्रिकी
- तरंगें
- विद्युत एवं चुम्बकत्व
- मापन
- ताप तथा ऊष्मा
- ध्वनि तथा प्रकाश

24. रसायन विज्ञान **329-345**

- पदार्थ
- रेडियोधर्मिता
- आवर्त सारणी
- अम्ल, क्षार तथा लवण
- परमाणु तथा अणु
- भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन
- धातु तथा अधातु
- कार्बनिक रसायन

25. जीव विज्ञान **346-370**

- कोशिका तथा ऊतक
- पादप तथा जंतु जगत
- भोजन एवं रोग
- जीवों का वर्गीकरण
- मानव आरीर

खण्ड–VI : कम्प्यूटर **371-396**

26. कम्प्यूटर **371-396**

- कम्प्यूटर का इतिहास एवं विकास
- इनपुट तथा आउटपुट डिवाइस
- बाइनरी डिजिट
- ऑपरेटिंग सिस्टम
- इंटरनेट
- सोशल नेटवर्किंग साइट्स,
- आर्टिफिशियन इंटेलिजेंस
- कम्प्यूटर के अंग
- डाटा
- प्रोग्राम
- एम. एस. ऑफिस
- ईमेल
- एंटीवायरस

खण्ड–VII : विविध **397-439**

27. विविध **397-439**

- शब्द संक्षेप
- भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम
- विभिन्न कम्पनियाँ और उनके मुख्यालय
- राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान
- राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार
- पुस्तकें एवं लेखक
- विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट
- विभिन्न देशों की राजधानियाँ एवं मुद्राएँ
- ट्रॉफियाँ तथा सम्बन्धित शब्दावली
- भारतीय व्यक्तित्व और उनके जन्मदिवस
- रक्षा तंत्र एवं रक्षा प्रौद्योगिकी
- राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ
- खेलकूद
- विभिन्न इमारतें तथा स्मारक
- राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय दिवस
- विभिन्न देशों की संसद
- विभिन्न आविष्कार एवं आविष्कारक
- खेल
- विभिन्न धर्मों के प्रार्थना स्थल

अध्याय

2 छठी शताब्दी के धार्मिक आन्दोलन

1. धार्मिक आन्दोलन (Religious Movements)

छठी शताब्दी ई. पू. का युग मानवीय इतिहास में पूर्णतः आध्यात्मिक जागृति का युग माना जाता है जिसके फलस्वरूप ब्राह्मणों के जटिल की प्रतिक्रिया स्वरूप कर्मकाण्डों, कई दार्शनिक धर्म–सम्प्रदायों का भी उदय हुआ। इस युग के लगभग 62 धार्मिक सम्प्रदाय ज्ञात हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध धर्म तथा जैन धर्म थे।

(I) जैन धर्म (Jainism)

- जैन धर्म की स्थापना **ऋषभदेव ने की जो** जैनधर्म के **प्रथम** तीर्थंकर माने जाते हैं। इनका उल्लेख ऋग्वेद में भी है। जैन धर्म के प्राचीनतम सिद्धान्तों के उप **तेईसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ** माने जाते हैं जो वाराणसी के निवासी थे, किन्तु जैनधर्म की स्थापना का वास्तविक श्रेय इनके आध्यात्मिक शिष्य तथा 24वें तीर्थंकर वर्धमान महावीर को जाता है।
- अहिंसा, अमृषा, अचौर्य, अपरिग्रह तथा ब्रह्मचर्य में से पाँचवाँ ब्रह्मचर्य महावीर स्वामी ने ही जोड़ा अन्य चार महाव्रत पूर्व से थे।
- जैन धर्म ईश्वर में विश्वास नहीं रखता। इसका मानना है कि मानवता में जो कुछ भी महान, शक्तिशाली व नैतिक है वही ईश्वर है। इसके अनुयायी शरीर की साधना, उपवास, अनुशासन, दयालुता, सेवा और तपस्या करते हैं। यह अहिंसा पर अधिक बल देता है। इसके अनुयायी बाद में सम्प्रदायों में बँट गये—दिगम्बर तथा श्वेताम्बर। पहले निर्वसन करते हैं तथा दूसरे श्वेत वस्त्र धारण करते हैं। यह विभाजन ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी में पहली बार हुआ।
  - वेदों में विश्वास नहीं करने के कारण इसे नास्तिक दर्शन कहा जाता है। जैन धर्म आत्मा में विश्वास करता है और इसके अनुसार आत्मा प्राणी के शरीर के अनुपात में होती है। जैसे–चींटी में चींटी के बराबर तथा हाथी में हाथी के बराबर आत्मा होती है। इन्होंने पेड़–पौधे तथा ईंट–पत्थर में भी आत्मा का निवास माना है।
  - स्यादवाद को जैन दर्शन का क्रोड सिद्धान्त माना जाता है इसे सप्तभंगीय नय तथा अनेकान्तवाद के नाम से भी जाना जाता है।

तीर्थंकर और उनके प्रतीक चिह्न (Teerthankaras & Their Symbols)

तीर्थंकर	प्रतीक चिह्न
ऋषभदेव	सांड
आदिनाथ (अजितनाथ)	हाथी
नेमिनाथ	शंख
पार्श्वनाथ	सर्प
महावीर स्वामी	सिंह

जैन मत के धार्मिक शब्द और उनके अर्थ

(i) सल्लेखन अन्न–जल त्याग कर हठयोग द्वारा अपने शरीर एवं मन पर पूर्ण नियन्त्रण करते हुए मृत्यु को प्राप्त करना सल्लेखन अन्न कहलाता है।

(ii) निर्जरा–पूर्व जन्म में या पहले के किये हुए सांसारिक कर्मों का प्रभाव जब जीवात्मा में नष्ट हो जाता है, जब जीवात्मा की उस स्थिति को निर्जरा कहते हैं।

(iii) संवर–जैन धर्म के त्रि–रत्नों के अनुसार मनुष्य आदि आचरण करता है तो कर्मों का जीवात्मा की ओर बहाव समाप्त हो जाता है। उस स्थिति को संवर कहा जाता है।

(iv) स्याद्वाद (सप्तभंगी या अनेकान्तवाद)–मनुष्य का निर्णय किसी वस्तु के सम्बन्ध में न तो पूर्णतः सत्य है न असत्य यह सिद्धान्त स्याद्वाद सिद्धान्त कहलाता है। इनकी संख्या सात है। 1. है, 2. नहीं है, 3. है और नहीं है, 4. कहा नहीं जा सकता, 5. है, किन्तु कहा नहीं जा सकता, 6. नहीं है, कहा जा सकता है, तथा 7. है नहीं है और कहा जा सकता है।

(v) अन्तःचतुष्ट्य–जीवात्मा मोक्ष प्राप्ति के बाद जीवन–मरण के चक्र से मुक्त हो जाता है और वह अनन्त ज्ञान, अनन्त दर्शन, अनन्त वीर्य तथा अनन्त सुख को प्राप्त करता है। इसे ही अन्तःचतुष्ट्य कहा जाता है।

- जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ ने ज्ञान प्राप्ति के लिए **सम्मेद शिखर** पर तपस्या की थी और 84वें दिन उन्हें कैवल्य (ज्ञान) प्राप्त हुआ। वह काशी के इक्ष्वाकुवंशीय राजा अश्वसेन के पुत्र थे।
- 24वें व अंतिम तीर्थंकर महावीर स्वामी का जन्म वैशाली के निकट **कुण्डग्राम** (वाज्जिसंघ का गणतन्त्र) में 540 ई. पू. में हुआ था। इनके बचपन का नाम **वर्धमान** था।
- महावीर स्वामी के पिता **सिद्धार्थ** तथा माता **त्रिशला**, जो लिच्छिवी के राजा **चेटक** की **बहन** थीं।
- महावीर स्वामी का विवाह **यशोदा** के साथ हुआ था। इनकी पुत्री का नाम **अनोज्जा (प्रियदर्शना)** तथा दामाद का नाम **जमालि** था।
- महावीर स्वामी ने अपने बड़े भाई **नंदिवर्धन** की अनुमति लेकर सत्य की खोज के लिए 30 वर्ष की आयु में गृह त्याग दिया और संन्यासी हो गए।
- महावीर स्वामी को 12 वर्ष की गहन तपस्या के बाद **जुम्भिकग्राम** के समीप ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे सर्वोच्च ज्ञान (कैवल्य) की प्राप्ति हुई। इसी समय महावीर स्वामी **जैन (विजेता)**, **अर्हत** (पूज्य) तथा **निर्गन्ध** (बंधनहीन) कहलाए।

- महावीर स्वामी की प्रथम जैन भिक्षुणी चम्पा नरेश **दधि वाहन** की पुत्री **चंदना** थी।
- लगभग 72 वर्ष की आयु में 468 ई. पू. में महावीर स्वामी की राजगृह के समीप **पावापुरी** (राजगीर) में मृत्यु हो गई।
- महावीर स्वामी ने अपने शिष्यों को 11 गणधरों में विभाजित किया था। महावीर के जीवनकाल में ही 10 गणधरों की मृत्यु हो गई थी, केवल **सुधर्मण** ही जीवित रहा था।
- मुख्य रूप से जैन धर्मग्रन्थों की रचना **प्राकृत भाषा (अर्द्ध मगधी)** में हुई।
- राजाओं में **बिम्बिसार, उदयन, अजातशत्रु, चन्द्रगुप्त मौर्य, अमोघ वर्ष, बिन्दुसार, खारवेल** और **चन्देल शासक** जैन धर्म के समर्थक माने जाते हैं।
- यापनीह, जैन धर्म के श्वेताम्बर मत का पालन करने वाला सम्प्रदाय है।
- **अनेकान्तवाद सिद्धान्त (स्याद्वाद), अणुव्रत** एवं **दर्शन** जैन धर्म से लिया गया है।
- जैन धर्म के त्रिरत्न हैं–**सम्यक् दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक आचरण**।
- जैन धर्म पुनर्जन्म एवं कर्मवाद में विश्वास करता है।
- कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में प्रत्येक 12 वर्ष के अन्तराल पर जैन धर्म का धार्मिक उत्सव **महामस्ताभिषेक** का आयोजन किया जाता है। यहाँ पर **ऋषभदेव** की गोमतेश्वर बाहुबली के नाम से 18 मीटर ऊँची प्रतिमा का भव्य अभिषेक किया जाता है।
- कैवल्य, मोक्ष प्राप्ति से सम्बन्धित जैन धर्म की महत्वपूर्ण अवधारणा मान्य है, इस सिद्धान्त का मत है कि सजीव प्राणियों की निर्जीव प्राणियों के साथ की बाधा सभी दुःखों का कारण है। कैवल्य, सजीव प्राणियों की इन बाधाओं के मुक्त होने का मार्ग है।

महावीर स्वामी (Mahaveer Swami)

जन्म	:	540 ई. पूर्व
जन्मस्थान	:	वैशाली के पास कुण्डग्राम में (बिहार)
बचपन का नाम	:	वर्धमान महावीर (गौत्र–ज्ञातृक)
पिता	:	सिद्धार्थ (ज्ञातृक क्षत्रिय कुल)
माता	:	त्रिशला (लिच्छिवी नरेश चेटक की बहन)
पत्नी	:	यशोदा
पुत्री	:	प्रियदर्शनी (अणोज्जा)
दामाद	:	जमालि
संन्यास धारण	:	30 वर्ष की अवस्था में (गृहत्याग)
मृत्यु	:	काल 468 ई.पू. उम्र 72 वर्ष
स्थान	:	पावापुरी (नालन्दा, बिहार)

- जैन धर्म में दो परिषदें (संगीतियाँ) सम्पन्न हुई थीं जो निम्न हैं–
  - **प्रथम जैन सभा (First Jain Councils)**

    प्रथम जैन सभा का आयोजन **पाटलिपुत्र** में 300 ई. पू. के आस–पास जैन मुनि **स्थूलबाहुभद्र** तथा अन्य जैन मुनियों के नेतृत्व में किया गया था। इस सभा में महावीर की पवित्र शिक्षाओं को 12 (बारह) अंगों में विभक्त किया गया था। इस काल में चंद्रगुप्त मौर्य शासक था।
  - **द्वितीय जैन सभा (Second Jain Council)**

    इस सभा का आयोजन 512 ई. पू. में गुजरात में **वल्लभी** स्थान पर देवार्द्ध क्षमाश्रवण की अध्यक्षता में किया गया था। इसका प्रमुख उद्देश्य धार्मिक शास्त्रों को एकत्र करना एवं उसको नये क्रम से संकलित करना था। इस समय का शासक ध्रुवसेन प्रथम था।

(II) बौद्ध धर्म (Buddhism)

- गौतम बुद्ध को बौद्ध धर्म का प्रवर्तक माना जाता है। ये महावीर स्वामी के समकालीन थे। ज्ञान प्राप्त करने के बाद इन्हें बुद्ध कहा जाने लगा। बुद्ध का अर्थ ज्ञान प्राप्ति होता है। उन्होंने सांसारिक दुःखों से मुक्ति पाने के लिए 29वें वर्ष में गृह त्याग किया। इस घटना को बौद्ध ग्रंथों में **महाभिनिष्क्रमण** कहा गया है। कई वर्षों की तपस्या के बाद 35 वर्ष की आयु में एक दिन **बोधगया (उरूवेला)** के निकट एक पीपल के वृक्ष के नीचे उन्हें ज्ञान का बोध हुआ और तब से वे बुद्ध के नाम से प्रसिद्ध हो गए। उन्होंने अपना प्रथम उपदेश **सारनाथ** (ऋषिपतन) में दिया। बौद्ध परम्परा में इसे **धर्मचक्रप्रवर्तन** के नाम से जाना जाता है।
- बौद्धस्तूप, साँची एवं भरहुत में विद्यमान है।
- "वामसाथपाकसिनी" भारत में उत्पन्न सबसे बाद वाला बौद्ध धर्म का ग्रन्थ है।
- 8वीं शताब्दी ईसवी में निर्मित जावा में "बारोबुदुर" का स्थल है।

महात्मा बुद्ध का जीवन परिचय (Biography of Buddha)

जन्म	:	563 ई. पू.
जन्म स्थान	:	लुम्बिनी (कपिलवस्तु) (वर्तमान–नेपाल)
पिता	:	शुद्धोधन (शाक्यों के राजा कपिलवस्तु के शासक)
माता	:	महामाया देवी
बचपन का नाम	:	सिद्धार्थ (गौत्र–गौतम)
पालन–पोषण	:	गौतमी प्रजापति (मौसी)
विवाह	:	यशोधरा (कोलिय गणराज्य की राजकुमारी)
पुत्र	:	राहुल
मृत्यु	:	काल 483 ई.पू.
स्थान	:	कुशीनगर (उत्तर प्रदेश)

बुद्ध के जीवन से सम्बन्धित प्रतीक चिह्न एवं शब्द (Signs and Words Related to the Life of Buddha)

जन्म	कमल एवं सांड
ज्ञान	बोधिवृक्ष
महानिर्वाण (मृत्यु)	स्तूप
गृहत्याग	महाभिनिष्क्रमण
बोधगया में ज्ञान प्राप्त करना	निर्वाण
मृत्यु	महापरिनिर्वाण
गृहत्याग	अश्व
निर्वाण	पद–चिह्न
प्रथम उपदेश	चक्र (धम्म चक्र प्रवर्तन)

बौद्ध धर्म के चार आर्य सत्य (Four Noble Truth of Buddhism)

दुःख	अर्थात् समस्त संसार दुःखमय है।
दुःख समुदाय	संसार के समस्त दुःखों का कारण इच्छा या तृष्णा अथवा लालसा है।
दुःख निरोध	इच्छाओं या तृष्णाओं को अपने वशीभूत रखकर ही दुःख को खत्म किया जा सकता है।
दुःख निरोध गामिनी प्रतिपदा	इसके अन्तर्गत दुःख निवारक मार्ग बताये गये हैं। ये आठ मार्ग हैं जो अष्टांगिक मार्ग कहे जाते हैं।

गौतम बुद्ध से सम्बन्धित व्यक्ति (People who are related to Gautam Buddha)

यशोधरा	पत्नी
प्रजापति गौतमी	धाय माता (मौसी)
चन्ना	सारथि
अलार कलाम	प्रथम गुरु
सुजाता	ग्रामीण स्त्री, जिसने उरुवेला में बुद्ध को खीर खिलायी।
मार	राक्षस, जिसने बुद्ध की समाधि भंग करने की कोशिश की।
चुन्द	पावा का लोहार या सुनार, जिसके यहाँ बुद्ध ने सूकर या अन्य किसी का माँस भक्षण किया, जिसके कारण उन्हें अतिसार रोग हो गया और उनकी मृत्यु हो गयी।
राहुल	पुत्र
देवदत्त	चचेरा भाई
कंठक	गौतम बुद्ध का प्रिय घोड़ा
रुद्रक रामपुत्र	बुद्ध के द्वितीय गुरु गौतम बुद्ध का सबसे प्रिय शिष्य
आनन्द	गौतम बुद्ध का सबसे प्रिय शिष्य
आम्रपाली	वैशाली की प्रसिद्ध गणिका, जिसका निमंत्रण बुद्ध ने स्वीकार किया था।
उपालि, आनन्द	गौतम बुद्ध के प्रथम पाँच शिष्य, जिन्हें सारनाथ
अश्वजित, मोगललना, श्रेयपुत्र	में सर्वप्रथम दीक्षित किया।
विम्बिसार, अजातशत्रु (मगध नरेश), प्रसेनजित (कोसल के शासक), उदयन (कौशांबी के शासक)	गौतम बुद्ध के वे शिष्य, जो राजा थे।
कौण्डिन्य	बोधगया जाते समय रास्ते में मिले मित्र
मित्र	ब्राह्मण संन्यासी

बौद्ध धर्म के प्रसिद्ध स्मारक (Famous Monuments of Buddhism)

स्मारक	स्थल
'तीन तल' गुफा	एलोरा (महाराष्ट्र)
मरणासन्न बुद्ध की मूर्ति	कुशीनगर (उत्तर प्रदेश)
शमशान स्तूप	कुशीनगर (उत्तर प्रदेश)
बोधि वृक्ष की मूर्ति	ग्यारसपुर (मध्य प्रदेश)
बुद्ध की सर्वाधिक ऊँची मूर्ति	बामियान (अफगानिस्तान)
रंगमहल गुफा	बाघ (मध्य प्रदेश)
भूमि स्पर्श मुद्रा में बुद्ध मूर्ति	सिरपुर एवं रत्नगिरि (महाराष्ट्र)

जैन और बौद्ध धर्म में समानताएँ (Similarities Between Jainism & Buddhism)

1.	दोनों धर्म वैदिक धार्मिक अनुष्ठान, यज्ञ एवं बलि प्रथा के विरुद्ध थे।
2.	दोनों धर्मों के प्रवर्तक क्षत्रिय थे।
3.	दोनों धर्म अनीश्वरवादी थे।
4.	दोनों के तीन रत्न एवं तीन प्रमुख ग्रन्थ थे।
5.	दोनों धर्म सामाजिक समानता के समर्थक थे।
6.	दोनों कर्म सिद्धान्त को महत्व देते थे।
7.	दोनों धर्मों ने जनसाधारण को लोगों की सामान्य भाषा में शिक्षा प्रदान की।

जैन और बौद्ध धर्म में असमानताएँ (Dissimilarities Between Jainism & Buddhism)

1.	जैन धर्म में आम व्यक्ति को महत्व दिया गया है, जबकि बौद्ध धर्म में संघ को।
2.	जैन धर्म में अहिंसा के सिद्धान्त पर अत्यधिक बल दिया गया है, जबकि बौद्ध धर्म में अपेक्षाकृत कम।

3.	बौद्ध धर्म में निर्वाण का अर्थ है जीवन–मरण के चक्र से मुक्ति, लेकिन जैन धर्म में निर्वाण का तात्पर्य था–शरीर से मुक्ति।
4.	दिगम्बर जैन संत नग्न रहते थे, परन्तु बौद्धों में नग्न रहने का प्रमाण नहीं मिलता।
5.	बौद्ध धर्म मध्य मार्ग का अनुसरण करता था, परन्तु जैन धर्म में जीवन–मरण के बंधन से मुक्ति के लिए अत्यधिक काया क्लेश की बात कही गयी है।
6.	जैन धर्म में परम ज्ञान की प्राप्ति के लिए भिक्षु का जीवन अनिवार्य था, जबकि बौद्ध धर्म में सामान्य व्यक्ति भी परम ज्ञान प्राप्त कर सकता है।

- **अष्टमार्गी सिद्धान्त**–यह दुःख निरोध मार्ग है। इसका निरूपण निम्न प्रकार से किया जा सकता है–

❖ सम्यक् ज्ञान,	❖ सम्यक् प्रयत्न,
❖ सम्यक् इच्छा,	❖ सम्यक् बुद्धि,
❖ सम्यक् वाणी,	❖ सम्यक् समाधि तथा
❖ सम्यक् जीवन,	❖ सम्यक् कार्य।

- **दस शील**–बुद्ध ने आचरण की शुद्धता के लिए दस शील पर अत्यधिक प्रकाश डाला, जो निम्नलिखित हैं–

❖ अहिंसा,	❖ नृत्य व संगीत का त्याग,
❖ सत्य,	❖ सुगन्धित पदार्थों का त्याग,
❖ चोरी न करना अर्थात् अस्तेय,	❖ असमय भोजन का त्याग,
❖ अपरिग्रहण अर्थात् संग्रह न करना,	❖ कोमल शय्या का त्याग तथा
❖ ब्रह्मचर्य,	❖ कामिनी कंचन का त्याग।

- **साहित्य**–बौद्ध साहित्य मूलतः पाली भाषा में लिखे गये थे तथा मुख्यतः त्रिपिटकों में समाहित हैं, ये निम्नलिखित हैं–
  - ❖ **सुत्तपिटक**–इसमें बौद्ध धर्म के सिद्धान्तों का वर्णन किया गया है।
  - ❖ **अभिधम्म पिटक**–इसके सात भाग हैं। इसमें बौद्ध धर्म का धार्मिक विवेचन किया गया है।
  - ❖ **विनय पिटक**–इसमें भिक्षु–भिक्षुणियों के संघ, उनके दैनिक जीवन सम्बन्धी नियमों का वर्णन किया गया है। इस पिटक के निम्नलिखित तीन भाग हैं–
    - ■ सुप्त विभाग, ■ खन्दका, तथा ■ परिवार पाठ।
- इसके अतिरिक्त निम्नलिखित बौद्ध साहित्य उल्लेखनीय हैं–
  - ❖ **मिलिन्दपन्हो**–इसमें यूनानी शासक मिलिन्द तथा बौद्ध भिक्षु नागसेन के दार्शनिक विषय से सम्बन्धी वाद–विवाद का वर्णन किया गया है।
  - ❖ **दीपवंश तथा महावंश**–इस साहित्य में तत्कालीन भारतीय राजनीतिक, सामाजिक तथा धार्मिक दशा के साथ–साथ श्रीलंका के राजवंशों का वर्णन मिलता है। इसकी रचना श्रीलंका में पाली भाषा में की गई है।
  - ❖ **महावस्तु**–इसमें बुद्ध की अद्भुत शक्ति तथा बोधिसत्व की प्रतिष्ठा का वर्णन किया गया है। यह संस्कृत भाषा में लिखित है।
- बौद्ध धर्म में चार संगीतियाँ सम्पन्न हुई थीं जो निम्न हैं–
  1. **प्रथम बौद्ध संगीति (First Buddhist Council)**—प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन मगध के शासक अजातशत्रु काल में सप्तकर्णी गुहा (**राजगृह**) में 483 ई. पू. में **महाकस्सप** की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इसके आयोजन के दौरान बुद्ध के उपदेशों को दो पिटकों **विनय पिटक** व **सुत्त पिटक** में संकलन किया गया।
  2. **दूसरी बौद्ध संगीति (Second Buddhist Council)**—यह **वैशाली** में 383 ई. पू. में कालाशोक के शासनकाल में साबकमीर की अध्यक्षता में हुई। इसमें नियमों में कुछ शिथिलता लाई गई। अनुशासन को लेकर मतभेद के कारण बौद्ध धर्म **स्थाविर** व **महासन्धिक** नामक दो भागों में विभाजित हो गया।
  3. **तृतीय बौद्ध संगीति (Third Buddhist Council)**—महान शासक **अशोक** के शासनकाल में **पाटलिपुत्र** में **मुगलिपुत्ततिस्स** की अध्यक्षता में 250 ई.पू. में हुई। इस संगीति के दौरान तीसरा पिटक **अभिधम्मपिटक** का संकलन किया गया।
  4. **चतुर्थ बौद्ध संगीति (Fourth Buddhist Council)**—इस संगीति का आयोजन कनिष्क के समय में **कुण्डलवन** (**कश्मीर**) में **वसुमित्र** की अध्यक्षता में हुआ। अश्वघोष इसके उपाध्यक्ष थे। इसमें बौद्ध धर्म के दो सम्प्रदाय—**हीनयान** तथा **महायान** में विभाजित किया।

हीनयान तथा महायान में अन्तर
(Differerce between Hinayana and Mahayan)

हीनयान	महायान
● हीनयान का शाब्दिक अर्थ है–निम्न मार्ग। ये लोग बौद्ध धर्म के प्राचीन आदर्शों को मूलरूप से बनाये रखना चाहते थे।	● महायान का शाब्दिक अर्थ है–उत्कृष्ट मार्ग। इसे 'बोधिसत्वयान' भी कहते हैं। ये लोग बौद्ध धर्म के प्राचीन आदर्शों में समय के साथ परिवर्तन अथवा सुधार चाहते थे।
● हीनयान को 'श्रावकयान' भी कहते हैं।	● महायान में बुद्ध को देवता माना जाता था।
● श्रावक उस व्यक्ति को कहा जाता है जो जीवन के क्लेश से त्रस्त होकर निर्वाण पथ पर अग्रसर होता है।	● महायानी मूर्तिपूजक थे।
● हीनयान में बुद्ध को एक महापुरुष माना जाता था।	● महायान का आदर्श बोधिसत्व है। बोधिसत्व मोक्ष प्राप्ति के बाद भी

हीनयानी मूर्तिपूजक नहीं थे। हीनयान का आदर्श अर्हत् पद को प्राप्त करना था।	दूसरे, प्राणियों की मुक्ति का निरन्तर प्रयास करते हैं।
जो व्यक्ति अपनी साधना से निर्वाण प्राप्त करते हैं, उन्हें अर्हत् कहा जाता है, परन्तु निर्वाण के बाद उनका पुनर्जन्म नहीं होता है।	महायान में सेवा तथा परोपकार पर बल दिया गया है। इसका उद्देश्य समस्त मानव जाति का कल्याण है।
हीनयान व्यक्तिवादी धर्म है। इसके अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को प्रयत्नों से ही मोक्ष प्राप्त करना चाहिए।	महायान में ऐसा कोई प्रतिबन्ध नहीं था।
हीनयान में माँस खाना वर्जित है। हीनयान कोई तीर्थ नहीं मानते।	महायान में ऐसा कोई प्रावधन नहीं था। महायानी चार तीर्थों को मानते हैं– लुम्बिनी, बोधगया, सारनाथ, कुशीनगर

- **बोधिसत्व**–महायान का आदर्श बोधिसत्व है। बोधिसत्व ऐसे व्यक्ति हैं जो निर्वाण प्राप्त कर चुके हैं, परन्तु अन्य लोगों के निर्वाण में सहायता करने के लिए आते हैं। ये मानव अथवा पशु किसी रूप में भी हो सकते हैं। प्रमुख बोधिसत्व निम्नलिखित हैं–
  - अवलोकितेश्वर
  - मंजूश्री
  - वज्रपाणि
  - क्षितिग्रह
  - अमिताभ
  - मैत्रेय

2. छठीं शताब्दी ई. पू. के अन्य धार्मिक सम्प्रदाय (Other Religious Sects of 6th Century BC)

(I) अक्रियावादी

इस सम्प्रदाय के प्रवर्तक पूरण **कश्यप** नामक ब्राह्मण थे। वह घोर अक्रियावादी थे। उनके अनुसार न तो बुरे कर्म करने से पाप लगता है और न अच्छे कर्म करने से पुण्य प्राप्त होता है, अर्थात् कर्मों का कोई फल नहीं होता।

(II) भौतिकवादी (यदृच्छावादी)

इसके प्रवर्तक अजित **केशकम्बलिन** थे। उनका मत था कि संसार में पाप–पुण्य, सत्य–असत्य कुछ नहीं होता। व्यक्ति को आनन्द प्राप्त करने के लिए जिस कार्य को करने की इच्छा हो, उसे करना चाहिए। यह अवधारणा **लोकायत परम्परा** पर आधारित है।

(III) लोकायत

इस परम्परा के संस्थापक **आचार्य बृहस्पति** माने जाते हैं।

(IV) भौतिकवादी (नित्यवादी)

इसके संस्थापक **पकुधकच्चायन** थे। यह मत कर्म तथा पूर्वजन्म को नहीं मानता है। उनके अनुसार शरीर सात तत्वों से बना है और किसी व्यक्ति को न तो काटा जा सकता है न मारा जा सकता है।

(V) अनिश्चयवादी (अज्ञेयवादी)

इस मत के प्रवर्तक संजय वेट्ठलिपुत्त थे। उनके अनुसार जीवन सम्बन्धी किसी भी प्रश्न का कोई निश्चित उत्तर नहीं है।

(VI) आजीवक सम्प्रदाय

इस मत के प्रवर्तक **मक्खलि गोशाल** थे। आरम्भ में मक्खलि गोशाल महावीर स्वामी के साथी थे, लेकिन बाद में उन्होंने अलग सम्प्रदाय की स्थापना की। इनकी शिक्षाओं का मूलाधार अक्रियावाद तथा नियतिवाद था। इस सम्प्रदाय का उल्लेख अशोक के अभिलेख में भी है।

DSSSB के विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन गौतम बुद्ध के समकालीन थे?
(A) नागार्जुन
(B) कनिष्क
(C) कौटिल्य
(D) महावीर

[DSSSB (PRT) 02-02-2014 (प्रथम पाली)]

1. (D) गौतम बुद्ध तथा महावीर दोनों एक–दूसरे के समकालीन थे। महावीर का जीवन काल 540-468 है तथा बुद्ध का 563-483 है। दोनों ने ही आत्मा के अस्तित्व पर जोर दिया।

2. तीसरी बौद्ध परिषद् की तारीख क्या थी?
(A) 227 ईसापूर्व
(B) 383 ईसापूर्व
(C) 250 ईसापूर्व
(D) 235 ईसापूर्व

[DSSSB (PRT) 07-10-2018 (प्रथम पाली)]

2. (C) तीसरी बौद्ध परिषद् या संगीती का आयोजन 250 ईसापूर्व में पाटलिपुत्र में किया गया था। इस संगीती के समय अशोक का शासन था। इसकी अध्यक्षता मोगलीपुत्त तिस्स ने की थी।

3. कौन–से राज्य को "बुद्ध धर्म का उद्गम" कहते हैं?
(A) सिक्किम
(B) बिहार
(C) यू.पी.
(D) एम.पी.

[DSSSB (PRT) 30-11-2014]

3. (B) यद्यपि भगवान बुद्ध का जन्म बिहार में हुआ था, लेकिन वे अधिकांश समय उत्तर प्रदेश में रहे और यहीं उन्होंने उपदेश भी दिया। इसी कारण उत्तर प्रदेश को 'बौद्ध धर्म का पालना' भी कहते हैं। भगवान बुद्ध से सम्बन्धित स्थान कपिलवस्तु, सारनाथ, श्रावस्ती आदि उत्तर भारत में स्थित हैं।

KVS/NVS के विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्न

1. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए एवं नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची–I (बुद्ध के जीवन की घटनाएँ)	**सूची–II (प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति)**
(a) जन्म	(i) बोधि वृक्ष
(b) सम्बोधि	(ii) चक्र
(c) प्रथम उपदेश	(iii) गज
(d) परिनिर्वाण	(iv) स्तूप

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

[KVS (TGT) परीक्षा, 2018]

1. (B) (a) जन्म—स्तूप बनाया जाता है।
(b) सम्बोधि—चक्र।
(c) प्रथम उपदेश—बोधि वृक्ष।
(d) परिनिर्वाण—गज।

2. "यह एक बड़ा और सुंदर शहर है। यह चारों ओर से एक विशाल दीवार से घिरा है। इसमें 570 मीनारें हैं और 64 द्वार हैं। दो और तीन मंजिल के घर लकड़ी और मिट्टी की ईंटों से बने हैं। राजा का महल भी काष्ठ–निर्मित है और पत्थरों पर नक्काशी द्वारा अलंकृत है। बागों और पक्षियों को रखने के लिए निर्मित बाड़ों से यह घिरा है।" यह किस स्थान का विवरण है ?

(A) तक्षशिला (B) कौशल
(C) पाटलिपुत्र (D) उज्जयिनी

[NVS (PGT) परीक्षा, 2016]

2. (C) प्रश्न में दिया गया विवरण पाटलिपुत्र के बारे में दिया गया है। उपर्युक्त विवरण यूनानी राजदूत मेगस्थनीज द्वारा लिखित पुस्तक 'इंडिका' में दिया गया है।

महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. जैन परम्परा के अनुसार जैन धर्म में कुल कितने तीर्थंकर हुए ?
(A) 20 (B) 22
(C) 24 (D) 14

2. बौद्ध ग्रन्थ 'पिटकों' की रचना निम्नलिखित में से किस भाषा में की गई थी ?
(A) संस्कृत (B) अर्द्धमागधी
(C) पालि (D) प्राकृत

3. महावीर का जन्म किस क्षत्रिय गोत्र में हुआ था ?
(A) शाक्य (B) ज्ञातृक
(C) सल्लास (D) लिच्छवी

4. किस भाषा का ज्यादा प्रयोग बौद्धवाद के प्रचार के लिए किया गया है ?
(A) संस्कृत (B) प्राकृत
(C) पालि (D) शौरसेनी

5. बौद्ध धर्म ग्रहण करने वाली पहली महिला कौन थी ?
(A) यशोधरा
(B) महामाया
(C) महाप्रजापति गौतमी
(D) बिम्बा

6. सिद्धार्थ (बुद्ध) को ज्ञान प्राप्ति कहाँ हुई थी ?
(A) वाराणसी (B) सारनाथ
(C) कुशीनगर (D) गया

7. बौद्ध धर्म ने समाज के निम्न वर्गों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला–
(A) व्यापारी और पुजारी
(B) साहूकार और गुलाम
(C) योद्धा और व्यवसायी
(D) महिला और शूद्र

8. किसे 'एशिया की रोशनी' (The light of Asia) कहा जाता है ?
(A) महात्मा गाँधी को (B) गौतम बुद्ध को
(C) माओत्से तुंग को (D) अकबर को

9. तीर्थंकरों के क्रम में अन्तिम कौन थे ?
(A) ऋषभदेव (B) पार्श्वनाथ
(C) मणिसुव्रत (D) महावीर

10. महावीर स्वामी का जन्म कहाँ हुआ था ?
(A) कुण्डग्राम में (B) पाटलिपुत्र में
(C) मगध में (D) वैशाली में

उत्तरमाला

1. (C) **2.** (C) **3.** (B) **4.** (C) **5.** (C)
6. (D) **7.** (D) **8.** (B) **9.** (D) **10.** (A)

❑❑